गे किसान

बैठक यूनियन के कार्यालय में ब्लॉक प्रधान किसानों की पेमेंट नहीं देने पर रूपरेखा तैयार लेकर 25 अगस्त को करनाल शुगर मिल पर क सरकार किसानों की समस्याओं पर विचार पड़े हैं, लेकिन शुगर मिल किसानों की पेमेंट मना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शुगर नवीकरण करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि र भाकियू धरना देकर प्रदर्शन करेगी।

अंग्रेज चले गए, अंग्रेजीयत अभी भी बाकीः राज्यपाल

करनाल। राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सौलंकी ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी दिलाने की आस्था अपने मन में रख कर स्वतंत्रता प्राप्ति की लड़ाई लड़ी और देश को आजाद करा लिया, लेकिन सामाजिक और आर्थिक तौर पर अभी पूरी तरह देश आजाद नहीं हुआ है। अंग्रेज चले गए, लेकिन अंग्रेजियत अभी भी बाकी है। समाज और देश के लोगों को यह लड़ाई भी आस्था के साथ लड़नी होगी, तभी हमें सम्पूर्ण आजादी का अनुभव होगा। प्रो. कप्तान सिंह सौलंकी ने एनडीआरआइ में स्वतंत्रता सेनानी बाबू मूलचंद जैन की जन्मशताब्दी में विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह जन्मशताब्दी समारोह बहुत प्रेरणादायी और भावुक है। स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी आस्था के बल पर देश को आजाद कराया। दुनिया के देशों को यह अहसास करा दिया कि अपने स्वस्थ चरित्र के दम पर भारत विश्व को नई दिशा और दशा दे सकता है। देश के लोगों ने 90 वर्ष तक अपनी आस्था के दम पर आजादी की लड़ाई लड़ी और विषम परिस्थितियों से जूझते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इसी प्रकार की आस्था की वर्तमान में भी जरूरत है। जरूरत इस बात की है कि देश से

अंग्रेजीयत को भी खत्म किया जाए। यह सब देश की सभ्यता, संस्कृति, नैतिक और सामाजिक मूल्यों का आचरण करते हुए किया जा सकता है। पर्यावरण विषय की वैज्ञानिक बाबू मूलचंद जैन की नाती कृति ने अपने नृत्य और अभिव्यक्ति के माध्यम से जो प्रस्तुति दी, उसको संदेश के रूप में परिभाषित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मानव चरित्र के निर्माण में कृति बहुत ही स्पष्ट और स्वस्थ होनी चाहिए और यह इसलिए भी है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा देश है। युवाओं को चाहिए कि वे स्वतंत्रता सेनानियों के देशभक्ति के जज्बे और उनकी आस्था से प्रेरणा लेकर समाज और देश को स्वावलंबन की नई बुलंदी देने का काम करें। मूलचंद जैन ने मात्र 22 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता संग्राम में अपने आपको शामिल कर लिया। कईं बार जेल जाना पड़ा, यातनाएं सही, लेकिन उनका हौंसला कम नहीं हुआ। समारोह में स्वतंत्रता सेनानी महावीर प्रसाद जैन द्वारा लिखी एक पुस्तिका उनकी पत्नी शांता जैन ने राज्यपाल को भेंट की। समारोह की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान के पूर्व सांसद एवं जैन विश्व भारती लाडनू के पूर्व वीसी डॉ. रामजी सिंह ने कहा कि यह बाबू मूलचंद जैन की जन्मशताब्दी ही नहीं, बल्कि कर्म शताब्दी भी है। हरियाणा स्वतंत्रता सम्मान समिति के अध्यक्ष बाबू हरिराम आर्य ने कहा कि राज्य में केवल 85 स्वतंत्रता सेनानी बचे हैं, इनसे हमें कुछ अनुभव लेने की जरूरत है। सामाजिक, न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कविता जैन ने कहा कि देश की आजादी के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानी हम सब के लिए पूजनीय है। मुख्य संसदीय सचिव बख्शीश सिंह विर्क, महापौर रेनू बाला गुप्ता व सांसद अश्विनी चोपड़ा की पत्नी किरण चोपड़ा ने बाबू मूलचंद जैन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व मंत्री शशिपाल मेहता, नरेंद्र सुखन, बालकिशन कौशिक, स्वामी प्रेम मूर्ति, डॉ. सुशील जैन, डीसी डॉ. जे गणेशन, एसपी पंकज नैन व एडीसी गिरीश अरोड़ा उपस्थित रहे। ओएसडी ने पढ़ा सीएम का संदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तरफ से समारोह में भेजे गए संदेश को ओएसडी अमरेंद्र सिंह ने पढ़कर सुनाया। संदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बाबू मूलचंद जैन जी का जीवन देश सेवा के लिए समर्पित रहा। युवा अवस्था से ही संघर्ष करते हुए देश की आजादी के लिए उन्होंने कईं बार जेल की यातनाएं सही, लेकिन उनके मनोबल को अंग्रेजी सरकार कमजोर नहीं क़र पाई। समारोह में कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने कहा कि किसी भी सड़क का नाम बाबू मूलचंद जैन के नाम पर रखा जाएगा। करनाल आईटीआई का नाम बदलकर बाबू मूलचंद जैन आइटीआइ रख दिया गया है।